

Title Page Title	Rig-'dzin Klo	Rig-'dzin Klon-gsal-snin-po				
Author:	Klon-gsal-snii	Klon-gsal-snin-po, Gter-ston, 1625-1692				
Publisher / Prin	tery: Kargyud Su	Kargyud Sungrab Nyasmo Khang Thubten Sang-ngag				
Publication Loc	ation: Darjeeling,ch	Darjeeling,choeling monastery				
Publication Dat	te: 1997					
Numb	ber of pages:	Number of volumes: 20				
Volume Serial #:	Number of pa	ges Comments				
0150	0620	_				
		_				
		-				
		_				
		-				
		-				
		-				
		_				
		_				
		-				

Notes:

One-volume texts will receive only one Volume Serial Number. Multi-volume texts will receive as many Volume Serial Numbers as necessary (use back of form if needed).

File Naming Convention:

The first four characters of a filename comprise the Volume Serial Number. The last four characters comprise the page number of the page being scanned. (Note: the page number in the file name will not always be the number that is on the actual page.)

LC Control Number: 98917350

Type of Material:	Book (Print, Microform, Electronic, etc.)
Personal Name:	Klon-esal-sāin-no. Gter-ston. 1625-1692.

Main Title: Collected revelations and writings of Rig-'dzin Klon-gsal-sñin-po (1625-1692) of Kab-theg / introduction by 3rd G'zi-chen Bairo Rinnoche, Pad-ma-rgyal-mtshan,

Uniform Title: [Works, 1997

Cover Title: Gter-chen Rig-'dzin Klon-gsal-sñin-po'i zab gter skor Published/Created: Darjeeling: Kargyud Sungrab Nyamso Khang, Thubten Sang-ngag Choeling Monastery, 1997.

12 v. : 9 x 38 cm. Description:

Summary: Predeminantly on the Rfiin-ma-pa rituals. "Reproduced from a rare Sen-ri-sgar-na Sde-dge Notes:

blockprints." In Tihetan

Rőin-ma-pa (Sect)--Rituals--Early works to 1800. Subjects:

LC Classification: BQ7662,4 ,K557 1997

Overseas Acq. No.: 1-Tib-98-917350: 04: 12-04

Repro./Stock No.: Library of Congress -- New Delhi Field Office Rs7375.00 (set)

Quality Code: | lcode

Collected Revelations and Writings of Rig 'dzin Klon gsal sñin po (1625-1692) of Kah thog

Reproduced from a rare Sen ri sgar pa, sDe dge blockprints. Introduction by Ven. 3rd Gźi chen Bairo Rinpoche, Pad ma rgyal mtshan Volume Ka Darjeeling, 1997



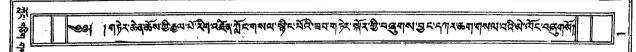
Published by Ven. 3rd Zhichen Bairo Rinpoche, Pema Gyaltsen, Kargyud Sungrab Nyamso Khang,

Thubten Sang-ngag Choeling Monastery, Hill Cart Road, West Point, Darjeeling 734101 (W.B.), India

Printed at Jayyed Press, Ballimaran, Delhi 110006

Price Rs. 550/-

~



१ मूर्यायपुरमासिहः सुरिवस्त्र प्राप्त क्रियम्बेरमात्रीहरायार्वेन्ययायार्वेनम्य ारेग् प्रहेब्वक्रुद्दर्यर प्रकार गुबः N5 N 2 H ह्माना पर साडि के सा सह कड़िया निम ~ 1क्राया श्रीराहे विप्रदावतित कराहे भेरा ことなる...

233 180c 210 B るり 15. क्रेंग्स्ट्रेंड्ड दर में ते शेर श्चेग नग गि यर ~

न्गान्य वेक अस्ट्रेक वेके देवा क्रव्यक्तिवार्याच्या क्रिन्विवाने। क्षर कर्न के स्वत्य के स्व र्देहरोस्य दर्गरञ्जनविष्य भूनमञ्जीनमाई सबिडे त इर्गेयर्ग्ट्र न्न्य द्वेर्य द्वित राधनशाम्य वर्ग विश्व में सेन न में अपने के प्रतिब है पर वी श्चमश्चामीवैरिकेनिवेग प्रियहण्येन । अर्केन्थ्रेर्केन्स्येन्याराग्यसम्। गिर्वेग में द्वर श्वेम गरेश द्वा छेना

のたなほどのなべている。

द्धियंग्रयान्यवश्रुः

BOOK

न्नयञ्चयसुद

व्यापेंद्रवासूचे सुपद्मत्रिये द्रद्रप्रायोदा हान न ने अप देश होत्यान।

मुबाकेण सुने हुन याकेंग न्वेर्ग कार्य हुन।

शुवन वद्वि विकियां प्र सैंबर्शियक्रेन्द्रेन्वर्धायंग्रह्में वर्षा प्राथन के क्षेत्र के विषय के व नश्चेद्वंशकृष्णिवाष्ट्रमञ्जूनमञ्जूनेयें विदा र्रेगायक्तरणा DR! 名と白かりいいる न्यकेंग पद्रकेरे भद्रभेद्र। । स्ट्रिय पर्य 14£41.5721 श्वेन में देशे पहण्डेष चयर्व श्वेर्यर्ग *াপ্ৰবিশ্বতাপ্ৰবাদ্বী*

ख्वयद्र्वण्यं देखेर्केर्क्र्र् स्ट्रिक्रेर्यं देश्वत्वे ह्वर्वर्योदेव्परूपरा हत्रेंद्र व विचारिस्व वर्षे विशेष वार्षेद्र हरसंद्रमण्ये पर्वर्ष्त्ववादि द्रावराश्चामन स्ट्रियवे स्वच्या मिन्यर्सर्मेद्रम्द्रीक्ष्यवद्गेद्रद्रक्ष्यम् वर्षद्र्या वर्षित्वर्मेत्र्या वर्षित्वर्मेत् १० वर्षिद्वसम्बद्धियार्थित् रिध्याम्यारिकामा वार्ष्येषा १३ मेरमावीकेनेयनमुन्द्रित् भूदित्योत्रोक्षरार्भुद्वद्वानेसस्यक्ष्युद्वन्यस्यक्ष्यक्षयाः वर्षाः भवद्याः कुद्वद्वानेसस्यक्ष्युद्वन्यस्यक्षयाः स्था

र्देहे के देखें सम्बद्धियान र युद्ध के देव दर्भ वर्ग

वाब्रियाक्र्र्यक्रिय्वाव्यक्ष्यक्रिया

というがいから

ग्रम् लक्ष इह्य प्रश्निक प्रमान

是中海中国

वेंद्रस्थात्रस्थात्रेंद्र * 100 ロイエカぞく ा द्ख्रेंद्ख्रेशद्भर्वाण क्षरमाहर्द्धि द्वीद्वीत्वातः श्रुवायद्सूद्युद्वार्यन्त्यां वा व्यापाया न्यूस्य ना देरस्कारामकवया कर्या द्वाराज्य <u> くつくをあべるてつろ</u>

र्विधिरेपान्य रेविरेश्वेद्र स्वयन् वास्त्र मुग्राहे केंद्र शेंबर श्रीर वहता। नानेवर्वेह्नेक्षेत्रहेंवर्वाक्र्यान्ववान्ववान्ववान्युराया मुन्यहें के वृत्यिम् पर्द्रमुन्य स्था नके अद्याद्भव इन्यादे के श्वर इपर्या WC 35 CREW JACTE व किंग नद्द द्वेरी क्रुवा यहें समर्देर श्वामा की द्वार केंग यह में में में दिया याव इन्याय के द्वार वाया र पह दर्शे वापन वाप कार्य क्षे विवास वेज्ञान हो देवेव स रेण करा सुन्ये सर्वेदिण द्वारा सम्बंधिया यक्षेत्रयरशक्ष्यप्रयोगयेष्ट्रात्यावेषा हो इक्तिनेनरामर्द्रिन्न निर्मिष्ठा गर्दे दे अवराख्या स्रवाह्य विविधिक वा मेग्राय कर्तार्वा महीवार्य कर्ताह्य क्षेत्रप्रकृतिस्य स्वेत्रन्त्रय

छ्यावर्क वर्षेत्र वात्रेश विद्ये दृष्ट्या न्यवाश्रीद्वत क्वान्य द्वीवर ज्ना ۳, । चंडपरीके जवारी अक्षेत्रक्री ब्रुवियातियात्रेयपद्मेवासार्थेय। १८ 心ともとうという。それがはいいて अअक्राचीशरंचन १८क्ट्रहर्मेरचर्वेबली नेग्रह्मम्याद्वाचाराम् विद्रहेस्युक्रिकेटा रमह पर्में र वर्ग के प्रमान .1 O. E र्वक्रिक्ट्रियं ने या चित्र प्रकृतिक प्र प्रकृतिक प 2 अप्याद्यवर्थ। 일시 출시되었는지지다 程... द्र। प्रत्रहरूप हवाल प्रवर्ध थेवा नेनाबयम्यव्यावार्यस्यायेवावार्यस्य গ্রবাবমা A'AI 79

क्रूट्यरियवशवास्य गहासहिक्षेट्वेद्वेद्वेद्वा <u>ব্রুখেরী</u> स्वार्यमेयराष्ट्रदिवसेव.... व्ययुर् चत्र स्ट्रियेशेगाचा द्वाद्य देव-रवंक्त ग्रात्यकाचे **এ**গ গুরু বৃদ্ধী বৃদ্ধ ব बद्बारण्यद्वविवस्त्रेदर्शे पहतर् १८५४ विशेषा सहस्य देव देव देव ल्ट्रिक्रवाश्च्यवस्य प्रमुक्त्र 大型を युक्रेंगरेशयाचेर्वनर्वकृत्यस्तां अवस्थार्ववार्यराष्ट्रवीर्वन्यन् अवस्थ प्रदेश यह ने सुन्य देश यह देश वित्तु हैं। विह्नस्वाभवहेवस्य भूपस्य रेखेन स्वित् प्रियस्य व्यवस्था स्थित्य स्थित श क्रिक्रिक्र क्रिक्र न्द्रवास्थान्य स्थान **JAKA**

पश्चरक्षाशय देशक्षिक्रियोग |त्रेवयम्बर्यकेरेवे देवेरे वस्तुन्य PY 1881 प्प्रदेश स्वार्थ कैंगना असे इस्ट्रांत ने तिह्स के द्वित्र के कृष्णयाद्वेद्वेवय्यस्य स्वाप्येया カシベゴ. हर्यक्रमहर्मायक्रावेन्स्नेवकेवर्रा वैरेस्श्रूटमेश्रान्यस्था स्वाश ब्रिट्ड के द्वर्य क्वर्य द्यारण सेचा रपरपाते देवग ने राष्ट्रास्त्र श्रदीयं विवादस्य यो दमदेव वा दणद्या अ इ.यशिषान्ग्रास. । तत्रेन्य क्वे क्वेल ५५१ विश्वादस्थानीयायाः योभासा स्ट्रान्याः स्ट्रान्याः स्ट्रान्याः

| त्वरकेवद्यवर्वेष्ठिष्यक्षेष्ठा देवा बान्यवर्षे वे श्वाचार्यवाग्याम्या **ब्रे**दशस्त्रज्ञस्तर् कॅववहुद्द स्वीक्यें दर्ग भीन्सद्वदंस्य दर्शक्ष्य हिन्यु पर्रथ केवा **जन्म स्थार्थे में द्य दर्के वा** श्रेष ৺ न्त्रमातिमान्यस्य प्राचित्रम् । इन्युवास्य दिन्द्रप्राची म्याने स्थानित के विश्वास्था प्याचेरिश्वाधेर् देवपश्चमा बावत्यविष्युचिद्वीव श्रयम्यविश यग्रें देशार्चे द्रश्नियं। व विद्रद्रश्चपञ्चे व्यच भेरवार्येवारान्य शुक्रिवारा भर्मेण अपन्त्रवर्षेत्रहेग्राच्यानः" मुस्तर हैं न स्टेस द्वार पत् सुद्धार 19.22.82.1 भेन्सरग्रुसकी भर्ग्य राज्य से हेंग्य रेसे लेनेश्रास्त्राम्यार्वेदेनाश्रास्य हेहिब्रेक्केवानाश्याता इ... 14775व्या

व क्षेत्रपश्चिम्या विश्वप्रति विश्वप्रकृति विश्वप्रकृति

इसम्पर्यहें समायतिहें समायन्य

क्रिक्त्रहरू संग्रीभवते भूतना

न् वहस्रामेता १८ तसगरासगडिगरान्यसम्बन्धेश्वनमा स्वान्यसम्बन्धेश्वनमा द्वारम्यस्यातेस्यातेस्यातेस्यातेस्य स्वाहेर वहस्रामेता १८ तसगरासगडिगरान्यसम्बन्धेश्वनमा स्वान्यम्यस्य स्वाहेर्द्धेश्वनमा द्वारम्यस्य स्वाहेर्द्धात्रस्य स्व

इक्षार्ड्क्राडिशक्नानर्टि इत्वेद्देश

विंदेश्वे प्रवस्व वयपे बुववा **ो पश्चाता** क्षेत्रज्ञग्रयम् देशुंग्यार्थे वर्षः [अर्वेवदाक्षीयाञ्चनायक्षीय अद्योगना सेम्प्रवायने से वंशर् योग निर्केण बार्यव्याचन देनदर्केण नदस्या णशक्षामा वाद्वपालेला हेवद्यद्युवारोह्नेरेश्वरेश्वयम्बया र/इञ्चल द्वार क्य जिर्वास्त्र सैनम বাই ক্বাস্থ্য

चक्रवाधवाधवाधितः क्रियमव्वेष्याद्भवद्यद्भाग्यकरार्भवा

क्रियाम्बर्द्धस्य न्यन्त्रक्ष्यक्षेत्रान्य

कें भूवयद्द्रशिक्क्ष

क्रानिशर्यश्चराक्रिया

20)

विचर्द्र की इंश श्री च च श्रेश्री ।चत्र*यम्*या

पत्रमाथकायविष्ट्रश्रेश्वर प्रतिप्राची

र्वरहेत्छेर्रञ्च वर्वे त्रियेष्ट्रा

श्चित्रपर्देश व्यस्मार्श श्चर मेळेग दरा क्रमार**क्रमायत्**रीयरा **IEMEN** 张 383 सर्वेद्य प्रदेश のならるといい क्राक्तिश्राद्धां वस्ति वस्ति । लक्ष्यायोद्यस्य श्रुट विषयेयावन वहिंवा ी विद्यावर्रहेरे येन पर्यं ने प्रतिस्था लगर्नेनान्योक्षान्यवस्थानेन्द्रीयया ह्याह्न इंत्रब्रेच श्रेया वाय विश्वेष्ट्रीय पा **長手契める郡山土川** न् जिंदे हैं न त्या हे दे के पर्दे दे पहें हेपर्वयोगमद्यापा र्भषार्थेषा अलेख्याचा **由此大統二才中…** वेरिकुंशहर्य के क्षार्य र्ट जिल्ले अदेवार्यन्युवा वह्या द्वायावा या विश्वास्या इंहे पद्यद्वत्य यमे बहुन में दुखे हुन मा

3w) ब्रामण्डस्य प्रश्वित रश्या व्याप ,रुष्ट्रीरबुचानलर वरिष्मनक्रार्ज्य। रोदवादें इत्यम् से देख्वाचा _ (원정·외크킖리(독도) र्वरक्षेत्रक्षेत्र स्वत्तेता रअम्ब्रुट्रिक्शक्र्यालक्ष्यां वासुर्वात्रिया सद्वयक्षास्या येदनार्देदका अतिशुद्र ज्ञेंग करादम् श्रेम हुन श्रेषण पेददा न विद्युद्धिर्भा अर्केर हेब्छ शरातहून क्रेजक्रवर्ताकराष्ट्रकीर्यारायहर्वेत्राच्यायन्त्रिन्द्रा 155र्केट्या वया न्यन्त्रमेत्यस्य । स्र्मेन्यया मार्यस्याय स्र ।इट्स्ट्र्या अद्योग सद्स्राचा ।हिने य दुव नाद्वस्वदेवते अवचवर राष्ट्रेवा द्यायक्रिया हूं च या ख्रा जलांग: पर्वर्ते द्वार्थ देश यो विश्वराचा 23 INO.Lell

宗 **ロログロロのからいてイニゴの正式が** *8*/8 क्षक ह लाग्राध ×. 55-58

क्र्यम्ययात्वक्रीरस्यह्रम्यायकेः इंडिश्रेट्र्स्क्रियस्वर्षस्त्र्यविदः विगम्स् केंग्रिकेरिये हैं विश्व हैं यह ल्ट्रिवल्बे वर्षे र वर्षित वर्षे केंग द्विह ्यान् व्याप्यकार्यत्ते व्याप्यकाः प्रवृत्येष्यक्षित्यात्रे नित्यकः नेवकवित्रम्यात्वियात्रात्त्रम्य ヨロナログダブナドロアの見べる क्षेत्र्वर्वार्यायायायात्राव्यात्राव्यात्राव्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्र मुन्यवाबारवर्षे भूप्राजीरवास्त्वः विवादामान्त्रेम् नार्त्रे स्त्रित्रे द्वितरात्विवासः यान्यक्षावयार्य्येवस्त्रुच वर्षेद्रेद्रकेंद्र्यायः क्षित्र सुद् ताते शुर सम्बद्धिर देश्चेर परने प्रवस्ति प्रकेश सम्बद्धिर

श्रामु

क्क्न्य हैं

·山的上野工民心心 器

विशान्तक्ष्यान्त्रभी. वैरक्षाः

३वैट्यत**र्वत्रश्चर्यप्तरा**त्तात्त्राः कुशः फेलनश्वकुर्यानस्वितेच्यानपृष्ट्यह <u>क्ष्रीयनक्षाकुर्यान्त्रीत्रमन्त्रीयः</u> 37 150 505 रवर्धेते द्वे वदेवविववं करार्श्व व्यवहार B Molalis 9993 **अस्तर्यक्षियंत्रम्यद्वास्त्रग्नेश** वादाद्ववाद्द्यवाद्यकात् इत्रित् चार्मह いたまたはたられなれただけってとい ある中からないし、ひら ふくなく ちょうだい 124 PCPUT 127 137.8

कुर्मन्बरिश्वतार्भेट्यू सैवतार्दः व्यक्तिरावेत्त्रप्रक्रायाद्वर्वारा

वकारमध्वेतियक्षरमयः

नुश्रक्रियास्यविवाद्यास्याहर्कद्वदेवदेश्रद्ध र्भेक्रिकार्क्रेर्श्वेर्श्वेर्थ्वेर्थकायाय सेव्यक्षेत्र वार्वायायायव्यविष्याद्वविद्वीदाववार्वेः ार्ट्योकाव**र्**वासाध्यस्य विवयवत्रात्रेतः विश्वकृशयंत्रार प्रचित्रयाचित्रयाच्या स्था विद्वार्गिर्वित्रीर्विद्विद्वास्य स्वास्थाः 要をとり出れば... विव द्याक्षेद्रचित्रक्रीत्र वार्क्षेत्र के द्वार वार्ष |दश्रेवामार्वस्त्रपुख्कः इन्स्**भवदिन्यन्यस्**रे न्यात् कृष्टे स्ट्रि त्तरचयव्यद्भार्त्याय्यक्ष्यविश्ववरः बार्केववार्यरत्यानदार्वेदर्केवन्यक्रिवार्यक्रियर्कः मागवकुश्वहेगद्रस्थातेषायप्रमायप्रवाधः |コロかりに受けるないとのなどはいいが यायप्रकृश्यह्याय न्यत्वेव वक्त अन्यत्वेद विषया विषयः विषयि विषयि विषयि विषयि । नवरक्तेत्रस्यावस्यवंतिहर्ययेवः नुस् प्पेर्थार्ट्याच्याचाड विश्वति श्रित्र विश्वति स्त्रिम् शक्यावरार्यं अपूर्याप्त्याप्त्याप्त्राध्या योगेरायानवर्वाच्यायाम्याच्यायान्यः 55353

ज्याव्यन्त्र्यं व्यवस्य विकार के नियम विकार के नियम के अन्याश्चर्यास<u>्य स्थ</u>ित **લાવા**લોક Š. स्याक्रम्ब्रिकाची नाम्यान्द्रहेट्स्यान्क्रेक्ष्रनुवतुन्यार्थाः लूट्याक्षण<u>र</u>हिन्द्रीयच्चाय णेयार्जेंड केंपदिस्थिव प्रमानेपादिव ् क्रेयदेरभूशयोद्येयः सैचयवंदिः -परिवादित्व वार्य विवादित्यात् ने त्रा वान्याव्यक्तियायायहणहर्षात्रम् শুধুর শুক্র क्रविरायात्विकान्त्रियात्त्रियाः इतिनिर्येत्वावाक्रविराये क्रवायाय्ये क्रीय से प्राप्त है या हिन है या ती है वैस्तवाश्वयकार्याच्या स्वीत्रवारः देवावेवस्याः वावन्तिविद्यायाच्याः देशस्पत्रेयम् सेर्परेषे **इज्यक्ष्य्यर्क्टर-इक्क्टर** 55 ी वार्यकाकीरवाकूरविक्राकाराम्त्रकः व्यवस्थान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य 49-तिर्यशकार्यरिगतिरकारा विष्ठा र्याण्यान्त्रियान्त्रेर

लट्यक्तरवर्वर केर्ट्स्स्डिंग स्वादर इ स्रभेषेक्रत्यक्षिय वर्त्रमेन्यत्रस्या स्र्रेयवास्त्रः विदेश्वायुप्ताद्व 罗内西下岛 चार्मायानुविद्याक्ष्याक्ष्येत्र स्वीवार्मायान्ये स्व है जिवायम्यात्राज्य स्थान याच्यायाच्याच्याच्याच्याच्या के वर्ष्यकृत्यक वर्ष्ट्रवाक्त्रकामानेवरवर्षिक क्वेन्यक्ष्यः क्वेन्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यः विष्ट्रविद्यम्भवन्त्रम् ब्रेश्नायह्यक्रियंत्र्यंत्र्यंत्र्यं चल्यानायायात्रित्यानायायात्रीयात्रीत्रविक्रार्थेवः

व्यक्षेत्रत्ववाचावावात्रात्रस्य स्वाद्वात्राच्य स्वाद्य

स् रिट्ट्रिया रिवा तार्गा वा वार्ट्टा अर्थाः

लिला वर्ष वर्ष अंतर्य विस्तिव क्रिन्ड

क्रान बैट्य क्रीय प्रचान मध्या तथा प्रचान अलाम्ब्रेन्वेवानमञ्जेन्यिकेतायाक्रत्विनिः अलाम्बर्धान्य .मार्नारायम् इत्र्यंनानायस्यवारायायाः स्वर्वेत्वामान्यस्य

त्वित्रत्ये...

जशास्त्राच्यास्य भूमतियान् मान्यः

크 (윷) इतर्वाद्वाद्वायद्वादिवसक्वित्रक्ष **अर्दर्भन ग्रेवशाद्य प्रवद्ध** जन्मविवासविश्व वस्त्रेश्व वस्त्रेश वस्तेश वस्त्रेश वस्तेश वस्त्रेश वस्त्रेश वस्त्रेश वस्तेश वस्त्रेश व पार्वार में रविते स्पर्वा विवादा राज्य वारा स श्चीच देवा ईए यो देवा विकास ट्युष्टावर्रिया श्रीचर्चा है । अस्य पर्य क्षेत्रप्रवाचानुस्कृति च्यक्षित्र निष्युत्र प्रमाने विष्युत्र ELE वर्षायादम् व्यविवायोवाष्ट्रियादाद्व ३ त्त्रवे वेर्य ने स्वाधिक स्वाधिक स्वत्र वेश **ट्ट्स्ट्रिट्यूर्ययोगेण** ज तीलपारेष्य चानाट कड्डिया क्या में ट्रास्ट्रियं वृह मद्बेश्यवक्यत्रस्यावेदस्य ह्योदश्च antiga: न्यक्रेंस्र-१८श्चिम्पश्चित्रविष्ट यव्रुग -s/25" सन्स्मान् न्यवन नक्षाने करेन करेन सन्दर्भावामार्वस्यविद्विद्वित्यवेस् क्रिया ने हे प्रमाण के प्रम के प्रमाण के प्रम के प्रमाण के प्रम के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के विवस्तरीयावेद्वद्यद्यप्यप्यपश

बर्श्यायवावविद्यात्रेचेयवक्रम चट्चयाचीह्यहित्त्रीत्व्याष्ट्रियक्ष वर्वरचिववे विश्वसन्त्र विभवते स्ट्र त्तर्गत्वाद्धितपुर्द्धम् वार्युक्क वार्त्वेद्धम् वार्त्वेद्वार्थान्त्रेत्वार्थान्त्रेत्वार्थान्त्रेत्वार्थान्त्र है क्रियर्टेटिकेमार्डिकार्वाप्रम्टिक देव्ह्यात्वर्त्वयाम्य्यक्ष्यक्ष्याक्ष्यक्ष्यक क्रिकेट्यत्यात्वर्विद्यत्यात्व्या क्षा पह्रयाह्यातप्रमृतः क्रूर्यन्त्रयाज्ञयावज्ञयात्रम्याग्रम्यद्रत्यतः पारक्षायार्य्यम्याय्वत्रम्याद्रः पार्यायव्यत्यार्यस्य वस्क्रेस्वीक्षेयस्क्रेट्रवः श्रीहरूत्रायवारेष्व्यापावहर्वसाराग्यावह स्री क्रें अर्जीत्ज्रेहिंगतिर्धित स्टिश्ट्रेट्ड कुर्यट्रतार्वे**जन्त्र्य**. चनुनिन्निकारदेरवाञ्चरकरवोतः देवविद्यास्त्रकरवेशस्य विद्यास्त्रकरवेशः

र्थेम् भारक रावे रह

र्तारीयापुराप्रविद्यानी सिवताविद्याः

बार्ये इन्केट हें है तो वार परा बादसकी बार पुष्पादिकुर्वेनश्वर्तार्थेश्वर्त्तेनश्वर्त्तार्थान्य-र ध्योदनायाम्<u>र</u>हिन्नेदन् चह्यस्याति **EEE** 10% ्र्याः जिल्लाकृष्ट्यास्त्रित्यकार्यास्त्रीद्र्यकार्यात्रीत्र्यकार्यक्षेत्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्र इंड्रिट्ट्रसेंगक्राचानात्त्वाचित्रकः 26×6030 स्थार्स्यायायप्तायात्वात्र सुर्वेद्रायायः जोशक्ड कूनश्रमात्रमाह्याद्रमायरात्साम्याद्रायया <u>ज्ञिसदर्श्वामभेशनाबर वश्ख्यासर्ग</u> MU234 र्येट्यश्चर्याचेक्किव्यूच्यान्त्र्यं विद्यू श्चामम्बद्धान्यकः योनेयन्तुस्यक्षेत्रस्य १ तदेव स्वामम्बद्धानस्य योनेयन्तुस्यक्षेत्रस्य स्योगहें वे यो के बाद स्वाती गयाः पर्यवशिष्रज्ञान देव केजनकवादन शैवहूर्वर्ष्ट्रवाधरश्रम्भक्षित्रकाष्ट्रवाश यक्तिवावांबदवदददर" म्यारह्रवात्रम्येर्द्रायम् क्ष तहन हमारहन देशका क्षेत्रमेश्वेदवर् भेद्रपरिषं शुक्षा विदेश म्प्रतस्त्रित्वत्यक्षेत्रस्य स्त्रियं श्रमण्ड क्यान्डर केच केच हैं। ल्यस्यायाद्यस्य यस्यः विक्रोनेवर्के विक्रायमायावदः नैयीव्यसः परितर्वे क्रियासः रिटावर केश चर्चे तथा वृद्ध शर्भे में श्रेषे वोदः 의라지? क्षिय ग्रद्येवाय्यक्राच्यवशः ब्रार्मकेलकेवम्यमवर्श्वस्त्रक्रिके देशरा नर्षेठा राजहर असे प्राचित्र के के र्जन्यस्वरायाः कामरा कीर गांचीतर केंग्रा आधुन्त्वा स्टेश्या करि रणनिर्देशिय केरावित्र स्वार्थिय देशिय \$5/K3K3 वक्षरमेर्द्रवास्थान श्रेयवद्यवास्य वस्त्रहः क्रान्यायायात्रीयायात्रवास्याः इस्त्रेयायायात्रीयायात्रास्याः न्याक्षन्दल-

> BUT MACTERIAL COLUMN बात्तश्वात्त्रप्रस्त्रम् स्वात्त्रप्रस्थात्र्रेत्रः श्रविश्वस्तिशयदेवशाक्रियारकारिः

श्चेत्रेत्र**ाया वर्षेत्राया वर्षेत्रा प्राप्त**

प्याचार पर्याचित स्वाचित

নমূহীয়ু:

वं अवाधी दावीक रायदेव रादें हैं विवादक

विस्त्र देश

श्वारातील, प्रत्येश क्षेत्र प्रधान DESCRIPTION DESCRIPTION OF THE PROPERTY OF THE 12/8 क्ष्यानित्रिक्ष के जाने **₹**24/9\\$0.... चार वह वाषर भाषाकूर री शवा वक्के वेष श्चान्यवायान् वृत्यं विषय वार्येन न प्यादश्रदशक्ष्यवाज्ञयक्रियस्त्रप्रश्राम् मेश्रेयपद्रवायम्यद्रम्परम्बिकार्गः 'वायरकुरायेयोग्रन्तेम्रहे **DOD** समग्रह शक्ये वेशरणशर्द्य निश्चेत्रवेशक्त्रेग्रेट्ड इंडिक्रेट्ट्रान्य सेराड्य वायर वायर वार्ट्टिकाला स्मार्वेज्ञानियार्वे विदेशेयार्वे । ह्याश्चरवक्षिण प्रतिवर्धिण ्रिटिमाड्नियर्वे मुन्नेमाड्डिक् निर्मात्रामानाम् 沙利阿罗

सैकार्तवेदीट्रहारहिवावूरसैकार्स्ट्रह चयश्रुक्षंद्रभानम्हेर्वनिर्वामभाज्यः स्वाहस्रीरामधासम्बद्धिः चयानान्त्रहः भू विराटकरकेशः विराटकरणानकेशानवरम्बात्त्रितः देवनग्रह्तद्वारक्ष्येत्रात्त्व्येत्रात्त्व्येत्रात्त्रक्ष्येत्रात्त्रक्ष्ये क्ष्णहरूक इपकुर्यकात्रक्रेयद्वातक्ष्यकात्रात्रक्ष्यक पर्वेक्ट्रिक्टर्यायम्बद्धक्रात्रात्रव्यक्षयात्र मार्यान्यक्षात्रात्रक्ष्यक्ष मुवानेवायदेयस्थितसस्क्रियः वस्याप्रकर्तवर्त्वायम् क्रवादेवस्यत् स्थाप्यः द्वे क्रवाद्येयप्रकेषद्वारक्षः इम्मिनम्बर्धिकविष्यान्त्रम्त्र्विरः स्रेष्ट्रियान्त्रम् क्रमानक्ष्यक्षान्त्रम् क्रवार्टिश्वरशक्रेशयोगतव्ये। स्तर्वव्यास्त्रस्यवित्यावेत्त्वर्याक्त्यस्यवाद्भीतः नेतृकेव्ययस्येक्ष्यः केरात्युयस्त्रेन्यत्त्वरस्यक्षीत्यत्र

नारम्याम् युवालाः

क्रियाचीयायोभेगदरवायाः

अअर्थतश्र्वाकप्रपंत्र

पर्वेद्विक्ष अप्राच्च्य प्रश्ने स्वर्धित स्वर्धित इष्टक्ष्य-द्वायान्यम् ∋ હિંહ चर्कतानुवादत्वयाद्वी<u>च्</u>रक्रमः ध्रम्भुः पानः तीया चार्ये देश श्रीय प्रकृष्ट्रविद्ध स्ति विद्या विद्या विद्या होते है चहुन्युक्षज्ञेनचन्ने स्वानेकाश्चरिवस्तर्ताः श्री प्रश्नित्र विद्यान स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच स्त नेत के तुस्ता वारी व्यवस्थ पुरणः प्रविद्यार्ग्यार्थियक्त्रक्षात्राद्वितः व्यक्षियप्तित्वित्वार्थियः व्यक्षितः योष्ट्रा.चोट.संट्रश्चाह्राज.टंट्याञान्यदेश.तान.वसटड जिनम्श्रेरच्**क्रीयश**रस्यार्थशः वयस्त्रीहरपद्वदेव्हलात्रभविवाकुरावकरः न प्रविद्यास्य प्रश्नेत्र पश्चित्र स्थाप्त स्थाप । स्थापन ग्रवर्ड्न विदक्षितः श्रवाद्याः ... पद्धिन्यक्षेत्रचन्द्रमुक्तियात्रवाद्वाद्वाद्वाद्वाद्वाद्वाद्वा ज् श्रुंशहराह्यक्षेत्रभारम् द्वार्वेद द्वेपन्द्रेत्ययेणचर्डेन्डेन्ड्रन्थय*ण*हेः रितारक्षेत्रप्राप्य देशक खंशबाद्दश्यन्द्वेद्दिद्द्वद्ववीत्वद्वदेवेद्द क्षेत्रविवेवसायायार्चे प्रदास्त्रव विविधार्यक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्ष र कुर्बाहरकूशकुविध्यः

तद्विष्ठवर्षेद्धार्केष्णविर्वयभग्रह वर्केन्यक्ववीयान्यविवर्वन्यक्वाकेः क्व्यिक्षेत्रीवेश्वेर्द्रप्य वार्ष्य 込のおりまとい INTERNATIONAL SE लाम्पुष्ट लेपानेकीम्श्वरहेस्ट्रेस्ट्रेंबर्गा अस्टरब्रेट्ट्रिक्का वा वा स्टर्स्का श ्रवेशक्रिक्ष्याच्याच्याच्याच्याच्या से वहवायदेवयद्भारम्बाः श्रवाद्ये ह्वायक्षेत्रमूट्यायम्बीद्रम्यद्वायम्बद्रय सैशक्राबनद्वाचिर्क्षेत्रिक्ष्र्रेश्चर्यक्र्यक्ष्यं গ্রথক্রব্রথন क विकामित्र विकामित्रह चबर्य्वायन्त्रेयेत्रुक्षसंख्येत्रेद्रपदेखुः र्ह्तवर्ष्युवयर्ष्युग्रपत्रुग्यक्रियंशः क्ष व्याहरक्रम्यः 2550 · 6 वैश्रदेशक्ष्यक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र थुः *ত*্যমার্ক্য भी किने अस्ति हैं विश्व देव स्टूडिंग्ड लव्युत्रेक्तव्येर्वर्षकरत्र्वात्ववत्रः व्यत्वेष्ठ्यार्वात्वार्वात्र्वात्वा व्याभर्युवरहेंहे आवव श्रीच्रद्धे ग्रेगिनिस्योगका नामा क्रियोक्ट

वुर्केटणअर्किम् धूर्यासम्स्थरम् स्था

₹50...

र्ज्य**क्षेत्र**श

म्यारकेत्वयदेशन्त्यक्ष्याच्याच्या

ग्रेरवाश्वात्यवेशक्रीत्मत्स्यावस्यवादः दक्ताः धुर्द्रसम्बद्धिय रहेर् देशकाचार मुद्दार है। -# (Rg हनेसक्षेत्रिंदयोनेसत्तिंद्विह क्रम्बरकात्रकाति चित्रेषार्चर श्रेवः बीर बोट्टेश और विश्व अवस्था के अधीय स्था विश्व विष्य विश्व विष्य व श्रष्टें द्वायायवारे वहत्त्रेशस् ण्या जयक्रम्यात्रस्य याचा वार्यान खुदकें वर्षे दुर्व यो नेवार वेद श्रीतः क्षेत्रपासेगरमञ्जावताराचेवश्रीशः योश्चित्रायात्राच्चरहेवारामराश्चरव्योगः विष्युग्रह्म 731X" विविवते वर्तिक स्थानस्य विवास त्स्नेयस्र्रह्णयेनेयद्वर्श्वर र्वाद्य्रियास्ट्रियास्ट्रियास् प्रतिक्रवासाया क्षेत्रहेव स्तराया गाः किंद्यार्थितपुर्यः निर्मेश्वरात्राकाकाकाः विवाद्वामश्चित्र हुवाचर दश्र वाल पर्मेर मुम्पणेयेयहेन्स्कृतः सामदायदायदासुसः €9 ्रार्थेस्याद्वेरपर्वस्य क्रुवायीवर्षरः बराद्रवादनेराग्रह्णन्द्रसूद्रदर्ज्ञात्रवा शक्रवीबाबरस्वानस्यानितानुप्तिरेष्ट्रम् नाववसूर हुवबेर

शुश्रुविशीयर प्रज्ञेषक्र्ये विश्वेश प्रति । अवस्थि विश्वेश वक्ष्मेन विश्वेश वि शकूबोराशस्थितद्वाचेत्रकेवहृबादः.. क्षा विद्य भवानीः चेत्वारी अन्तिवार प्राचित्र क्षा कार्या क्षा कार्या क्षा विद्या निवार कार्या कार्य मुद्रण्यामहेहित्सूदर्गकाः हुंहुर्द्धरूपण्यः श्रुद्दर्श्वेयपद्धित्वरम्बर्द्धः बरवहम्बर्द्वर्षक्ष्यस्यार्थः मृत्तास्य्येषम् स्विदेश्वीरवालका वर्षित्रमाववन्तिनेवात्र्वेत्रियहत्वातः वर्षायान्यविद्यान्वीनवावद्याः वहत्वेत्रित्रस्थेवाद्यकाः नीती निष्या नारत्य सुरु नारे के तार विद्या कर विदित्वकीर्युक्षिवविद्युक्षिवविद्यानिक अभूतिकित्युक्षेत्रिक्षात्रकः वेश विद्यान्त्रुत्विकार्यवान्त्रिक्षात्रकः

नेशनवज्ञापहिन्ययविश्वीदविवस्त्वदेवरीदः 8/9 लिम्बीत्व विद्यारकार्य केट्टा कर्य विद्यापाद है पहुंचेन पर्वे ... र्वेच्यास्य यद्यक्रियाच्याच्याच्याच्याच्या श्रीनहिवासकोरकोस्रीईवारायकोन्द्रिन्द्रीत्रवाः 0-न्यक्षक्रभंदावक्र्यक्षेत्वर्यस्वयाग्यः चर्चित्राः वय देवसावरक्षेत्रात्त्वरेत्रात्त्रारः कृदेवटचेलिटिट्रहेर्पुरेशत.रेटः द्वाह्मान क्रकेंचेकेंगर्केंचेकेंगर्कें सर्वेद वें केंब कुर बें रेंब विगाय विदेश र्षः पार्वयापान्यरह श्रीमज्ञियानवृष्टियां के विद्युष्ट क्षेत्रवेत्व्यावययर्क्नेत्क्केवह्वत्वद् वतर्देरवारायविषेयात्रवामा गर् व्ययायुष्ट

म् च्याचित्रम्

वद्धावद्मद्द्वाकेद्वद्देववद्वद्ववक्ष

चेचनवर्षणन्तर्यक्षस्त्रके

स्वात्रवाद्भरवात्रराह् वैप्राचित्रवाद्भव

तदेवस्त्रद्वस्याते हेंग्बर्ग शुर्गायात्रवित्राज्ञानवित्र्ये वार्षायात्र्या के वार् これは日本の日本の日本の日本では र्थेषयं तीयार्र्यं श्वास्त्रे साम्रहेशः त्व्यस्यभवीद्वेदसम्बद्धंवर्द्धार्थंवर्द्धार्थः 5550 ट्यापुराञ्चाववागाराकार.... न्त्रा व्यट्टरायाण्ड यश्राप्राध " क्रुनुक्रुवायवर्ग्यस्तिरहरियहिनः हुन्यत्र सून्यात्रात्यस्य स्थापन्य स्थापन्य स्थापन्य स्थापन्य स्थापन्य स्थापन्य स्थापन्य स्थापन्य स्थापन्य स्थापन जर्मक्षेत्रम् व्यक्तिस्य व्यक्ति शर्भ मुर्ग्य वर्षे स्ट्रम्स् राज्य स्था ग्रेंबेवग्राग्रेंसबीवेत्रुकः वन्द्रव्यक्त श्चित्रकी वाष्ट्रिवापकाराण के द्वारा र्वविवश्लेषायाम्भिवर्वयम् कुरपरवयवयम्द्रित्यः अवश्चिम् विवासायतम् विदेशनायवारिश द्वारवत्देशेन्यस्तायतेयानेवदेशेने श्रुवः

र्वर्वरमग्रवम्ययम्यहर्वर्वर्वेद्वर्वर्

न्युरवादवादवादवादे

यपबर्द्धपद्ग्रुप्यद्गद्गद्गद्गवायक्षद्

